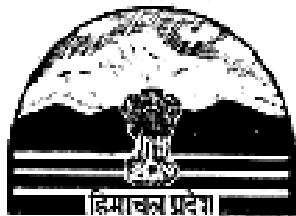


रजिस्टर्ड नं० HP@13@SML-2008.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (साधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 22 दिसम्बर, 2008/1 पौष, 1930

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचनाएं

धर्मशाला-176 700, 12 दिसम्बर, 2008

संख्या वि० स०-लैज-गवर्नमेंट बिल/1-77/2008.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर संशोधन विधेयक, 2008 (2008 का विधेयक संख्यांक 18) जो आज

दिनांक 12 दिसम्बर, 2008 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

हस्ताक्षरित / –

(गोवर्धन सिंह)

सचिव,

हिमाचल प्रदेश विधान सभा।

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर संशोधन विधेयक, 2008

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 (1979 का अधिनियम संख्यांक 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के उनसठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:-

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास संक्षिप्त नाम। गृह) विलास-वस्तुएं कर संशोधन अधिनियम, 2008 है।

2. हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर नई धारा 1979 का 15 अधिनियम, 1979 की धारा 6-ख. के पश्चात् निम्नलिखित धारा अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

नई धारा
6-ग का
अन्तःस्थापन।

“6-ग. गृह ठहरावों (होम स्टे) के स्वत्वधारियों द्वारा विलास-वस्तु कर के संदाय से छूट की बाबत विशेष उपबन्ध.—(1) इस अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी, यदि सरकार की यह राय है कि राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा करना लोक हित में आवश्यक या समीचीन है, तो वह ऐसे निबन्धनों और शर्तों, जैसी विहित की जाएं, को विनिर्दिष्ट करते हुए, इस निमित्त एक स्कीम अधिसूचित कर सकेगी, और किसी भी गृह ठहराव (होम स्टे) के स्वत्वधारियों को विलास-वस्तु कर के संदाय से पांच वर्ष से अनधिक अवधि, जो ऐसी स्कीम में विनिर्दिष्ट की जाए, के लिए निम्नलिखित शर्तों पर छूट दे सकेगी कि—

(i) ऐसा गृह ठहराव (होम स्टे) जुलाई, 2008 के पन्द्रहवें दिन से प्रारम्भ होकर और जुलाई, 2013 के चौदहवें दिन

को समाप्त होने वाली अवधि के भीतर प्रचालन में रहता है; और

(ii) ऐसे गृह ठहराव (होम स्टे) का स्वत्वधारी इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत है।

(2) धारा 4 की उप-धारा (6) में किसी बात के होते हुए भी, गृह ठहराव (होम स्टे) का कोई भी स्वत्वधारी, उस अवधि, जिसमें उप-धारा (1) के अधीन छूट प्रवर्तन में रहती है, के दौरान ऐसे गृह ठहराव (होम स्टे) में उपलब्ध करवाई गई विलास-वस्तु के लिए, विलास-वस्तु कर के रूप में किसी राशि का संग्रहण नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण.—इस धारा के प्रयोजन के लिए—

(क) 'गृह ठहराव (होम स्टे)' से होटल के रूप में चलाया गया कोई प्राइवेट गृह अभिप्रेत है जो—

(i) राज्य के किसी ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित है, या

(ii) किसी फार्म, बगीचे, चाय बागान और इसके समरूप के भीतर विद्यमान है,

जिसमें ऐसे मानक आकार, जो विहित किया जाए, की अच्छी स्थिति में और आसानी से सुगम्य तथा साथ जुड़े हुए स्नानागार और शौचालय सहित कम से कम एक शयनकक्ष या दो शयनकक्ष वाली वास सुविधा हो जो ऐसे तीन एक शयनकक्षीय या दो शयनकक्षीय से अधिक न हो और जिसने विलास-वस्तु, प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से ऐसी रकम से अनधिक प्रभारों की ऐसी दरों, जो ऐसी स्कीम में विनिर्दिष्ट की जाएं, पर उपलब्ध करवाई गई है; और

(ख) "ग्रामीण क्षेत्र" से किसी नगरपालिका क्षेत्र की सीमाओं से बाहर का कोई क्षेत्र अभिप्रेत है परन्तु विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत आने वाला कोई भी क्षेत्र इसमें सम्मिलित होगा।"।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने, आरामदायक गृह ठहराव (होम स्टे) प्रसुविधाएं और सेवाओं की व्यवस्था करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवास की उपलब्धता को अनुपूरित करने के लिए, राज्य में गृह ठहराव (होम स्टे) इकाइयों के रूप में चलाए जा रहे होटलों में विलास-वस्तु कर के संदाय से पांच वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करने का विनिश्चय किया गया है। इसलिए हिमाचल प्रदेश (होटल और आवास गृह) विलास-वस्तुएं कर अधिनियम, 1979 में संशोधन करना अनिवार्य हो गया है ताकि राज्य सरकार को विलास-वस्तु कर के छूट के ऐसे प्रोत्साहन का उपबन्ध करने के लिए समुचित स्कीम को अधिसूचित करने के लिए सशक्त बनाया जाए।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

प्रो० प्रेम कुमार धूमल,
मुख्य मन्त्री।

धर्मशाला :

तारीख.....दिसम्बर, 2008.

Bill No. 18 of 2008

**THE HIMACHAL PRADESH TAX ON LUXURIES (IN
HOTELS AND LODGING HOUSES) AMENDMENT BILL,
2008**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*further to amend the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in
Hotels and Lodging Houses) Act, 1979 (Act No. 15 of 1979).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in
the Fifty-ninth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Tax on Luxuries
(in Hotels and Lodging Houses) Amendment Act, 2008.

Insertion of
new section
6-C.

2. After section 6-B of the Himachal Pradesh Tax on Luxuries
(in Hotels and Lodging Houses) Act, 1979, the following section shall be
inserted, namely:—

15 of 1979

“6-C. *Special provisions relating to exemption from pay-
ment of luxury tax by proprietors of homestays.—*(1)
Notwithstanding anything contained in this Act, if the
Government is of the opinion that in order to promote rural
tourism in the State, it is necessary or expedient in the public
interest to do so, it may notify a scheme in this behalf,
specifying such restrictions and conditions as may be
prescribed, and exempt the proprietors of any homestay
from the payment of luxury tax for a period not exceeding
five years, as may be specified in the said scheme, subject
to the condition that—

- (i) such homestay comes into operation between the
period commencing from 15th day of July, 2008
and ending on 14th day of July, 2013; and

- (ii) the proprietor of such homestay is registered under this Act.

- (2) Notwithstanding anything contained in sub-section (6) of section 4, no proprietor of a homestay shall, during the period when the exemption under sub-section (1) remains in force, collect any sum by way of luxury tax for the luxury provided in such homestay.

Explanation.—For the purpose of this section—

- (a) ‘homestay’ means any private house run as a hotel—
 - (i) located in any rural area of the State, or
 - (ii) existing within a farm, orchard, tea garden and the like,

having accommodation of atleast one single or double bedroom in good condition and easily accessible and having attached bathroom and toilet but not exceeding three such single or double bedrooms of such standard size as may be prescribed, and wherein luxury is provided at the rates of charges not exceeding such amount per person per day as may be specified in such scheme; and

- (b) ‘rural area’ means any area falling outside the limits of a municipality but shall include any area falling under a Special Area Development Authority."

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

In order to promote rural tourism in the State, provide comfortable homestay facilities and services and supplement availability of accommodation in rural areas, it has been decided to provide exemption from luxury tax in hotels run as homestay units in the State for a period of five years. As such, it has become essential to amend the Himachal Pradesh Tax on Luxuries (in Hotels and Lodging Houses) Act, 1979, to empower the State Government to notify appropriate scheme for providing such incentive of exemption from luxury tax.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

PROF. PREM KUMAR DHUMAL,
Chief Minister.

DHARAMSHALA :
TheDecember, 2008.

धर्मशाला—176 700, 12 दिसम्बर, 2008

संख्या वि० स०—लैज—गवर्नमेंट बिल/1-76/2008.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2008 (2008 का विधेयक संख्यांक 17) जो आज दिनांक 12 दिसम्बर, 2008 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

हस्ताक्षरित /—
(गोवर्धन सिंह)
सचिव,
हिमाचल प्रदेश विधान सभा।

हिमाचल प्रदेश न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2008

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश न्यायालय अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम संख्यांक 23) का और संशोधन करने के लिए **विधेयक**।

भारत गणराज्य के उनसठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :-

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश न्यायालय (संशोधन) संक्षिप्त नाम। अधिनियम, 2008 है।

1976 का 23

2. हिमाचल प्रदेश न्यायालय अधिनियम, 1976 की धारा 10 में धारा 10 का संशोधन।
“दस लाख” शब्दों के स्थान पर “पन्द्रह लाख” शब्द रखे जाएंगे।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के अनुरोध पर, सिविल न्यायालयों की धनीय सीमाओं को विनिश्चित करने हेतु उच्च न्यायालय को सशक्त करने वाले हिमाचल प्रदेश न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2006 (2006 का विधेयक संख्यांक 14) पर विचार किया गया और जिसे विधान सभा द्वारा 07-04-2006 को पारित किया गया और जिसे तत्कालीन, महामहिम राज्यपाल को उनकी अनुमति हेतु भेजा गया था। तत्कालीन, महामहिम राज्यपाल ने विधेयक पर अपनी अनुमति देने के बजाए विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति हेतु आरक्षित रख लिया। महामहिम राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 201 के अनुसरण में निदेश दिया कि विधेयक को वर्तमान प्ररूप में, उच्च न्यायालय को धनीय सीमाओं को विनिश्चित करने हेतु सशक्त करने के बजाय सिविल न्यायालयों की धनीय अधिकारिता की वर्तमान विहित सीमा को बढ़ाने के लिए हिमाचल प्रदेश न्यायालय अधिनियम, 1976 की धारा 10 को संशोधित करने हेतु पुनर्विचार करने के लिए राज्य विधान सभा को लौटा दिया जाए। इसलिए मामले को, महामहिम राष्ट्रपति के संदेश को ध्यान में रखते हुए, पुनर्विचार करने हेतु उच्च न्यायालय को पुनःनिर्दिष्ट किया गया। माननीय उच्च न्यायालय ने तारीख 30-08-2008 के पत्र के माध्यम से, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 10 में संशोधन द्वारा, जिला न्यायाधीश की विद्यमान धनीय अधिकारिता को दस लाख रुपए से बढ़ाकर पन्द्रह लाख रुपए करना प्रस्तावित किया है। महामहिम राष्ट्रपति के सन्देश और माननीय उच्च न्यायालय के संकल्प के दृष्टिगत मामले पर पुनर्विचार किया गया और यह विनिश्चय किया गया कि उपर्युक्त अधिनियम की धारा 10 को समुचित रूप से संशोधित किया जाए और जिला न्यायाधीश की धनीय अधिकारिता को "दस लाख रुपए" से बढ़ाकर "पन्द्रह लाख रुपए" कर दिया जाए। इसलिए उपर्युक्त अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

प्रो० प्रेम कुमार धूमल,
मुख्य मन्त्री।

धर्मशाला :

तारीख दिसम्बर, 2008

वित्तीय ज्ञापन

—शून्य—

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 17 of 2008

**THE HIMACHAL PRADESH COURTS (AMENDMENT)
BILL, 2008**

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Courts Act, 1976 (Act No. 23 of 1976).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-ninth Year of the Republic of India as follows :—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Courts (Amendment) Act, 2008. Short title.

2. In section 10 of the Himachal Pradesh Courts Act, 1976, for the words “ten lakh”, the words “fifteen lakh” shall be substituted. Amendment
of section
10.

23 of 1976

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

On the request of Himachal Pradesh High Court, the Himachal Pradesh Courts (Amendment) Bill, 2006 (Bill No. 14 of 2006), empowering the High Court to decide pecuniary limits of civil courts, was considered and passed by the Legislative Assembly on 07-04-2006 and the same was sent to His Excellency the then Governor for his assent. Instead of giving his assent, His Excellency the then Governor reserved the Bill for the Presidential assent. Her Excellency the President of India, in pursuance to Article 201, directed that the Bill in its present form be returned to the State Legislative Assembly for reconsideration to amend section 10 of the Himachal Pradesh Courts Act, 1976, to enhance the pecuniary jurisdiction from the prescribed limit instead of empowering the High Court to decide the pecuniary limits of civil courts. As such, the matter was re-referred to the High Court to reconsider it keeping in view the Message of Her Excellency the President of India. The Hon'ble High Court *vide* letter dated 30-08-2008 have proposed to enhance the pecuniary jurisdiction of District Judge from present ten lakh rupees to fifteen lakh rupees by amending section 10 of the Act *ibid*. In view of the Message of Her Excellency the President of India and the resolution of Hon'ble High Court, the matter has been reconsidered and it has been decided to suitably amend section 10 of the Act *ibid* and to enhance the pecuniary jurisdiction of District Judge from ten lakh rupees to fifteen lakh rupees. This has necessitated amendment in the Act *ibid*.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

PROF. PREM KUMAR DHUMAL,
Chief Minister.

DHARAMSHALA :

The.....December, 2008.

—————
FINANCIAL MEMORANDUM

—Nil—
—————

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

—Nil—

ब अदालत सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी) सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०)

ब मुकद्दमा शीर्षक :

सुनील कुमार पुत्र श्री धनी राम, निवासी साई, डाकघर जुगाहण, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०) . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

. . प्रत्यार्थीगण ।

प्रार्थना-पत्र नाम दुरुस्ती ।

सुनील कुमार ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसका असली नाम सुनील कुमार है । परन्तु ग्राम पंचायत छातर में प्रार्थी का नाम सोनू दर्ज किया गया है जोकि गलत दर्ज है । अतः नाम दुरुस्त करने के आदेश करने की कृपा करें ।

इस इशतहार के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त नाम दुरुस्ती बारा किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 23-2-2009 को इस अदालत में हाजिर होकर अपना उजर/एतराज पेश कर सकता है । हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 11-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी),
सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०) ।

ब अदालत सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी) सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

ब मुकद्दमा शीर्षक :

कलां देवी पुत्री श्री ठाकुर दास, निवासी नेरी, डाकघर चाम्बी, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि0 प्र0) . . प्रार्थिनी।

बनाम

आम जनता

. . प्रत्यार्थीगण।

प्रार्थना—पत्र नाम दुरुस्ती।

कलां देवी पुत्री श्री ठाकुर दास, निवासी नेरी, डाकघर चाम्बी, तहसील सुन्दरनगर ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र पेश किया कि उसका असली नाम कलां देवी है। परन्तु राजस्व अभिलेख में कमला देवी दर्ज है जोकि गलत दर्ज है। अतः उसके नाम की दुरुस्ती करने के आदेश पारित किए जाएं।

इस इशतहार के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त नाम दुरुस्ती बारा किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 23-2-2009 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना उजर/एतराज पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 11-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
सहायक समाहर्ता (द्वितीय श्रेणी),
सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब न्यायालय सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री प्रेम कुमार पुत्र श्री अर्जन, निवासी जन्धरुकला, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0)
.. प्रार्थी।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थी।

विशय:—नाम दुरुस्ती।

प्रार्थी उपरोक्त ने प्रार्थना—पत्र इस आशय से इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी का सही नाम प्रेम कुमार है परन्तु राजस्व रिकार्ड में गलती से प्रेम चन्द दर्ज है। प्रार्थी इसे दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्त करने बारे कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन हाजिर न्यायालय आकर पैरवी मिति 26—12—2008 को पैरवी मुकद्दमा कर सकते हैं गैर—हाजिर की सूरत में कार्यवाही एक पक्षीय अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 28—11—2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—

सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब न्यायालय श्री एम0 डी0 राकेश, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील सदर
मण्डी,
जिला मण्डी (हि0 प्र0)

विषय.—प्रार्थना—पत्र बाबत दर्ज करने जन्म तिथि व नाम राहुल धई पुत्र श्री राकेश धई, मकान नम्बर
121/13, पडल मुहल्ला मण्डी, नगर परिषद्, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

प्रार्थी राकेश धई पुत्र श्री राम सरूप, निवासी मकान नम्बर 121/13, पडल मुहल्ला मण्डी, नगर
परिषद्, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

इशतहार

बनाम

आम जनता

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में आम जनता व हितबद्ध व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ने इस न्यायालय में षपथ पत्र सहित प्रार्थना—पत्र दिया है कि उसके पुत्र राहुल का जन्म 3—11—2002 को घर पर हुआ और उसने अज्ञानतावश उसका नाम नगर परिषद् के कार्यालय में दर्ज नहीं कराया जिसे अब दर्ज कराने के आदेश दिए जावें। अतः जिस किसी को राहुल धई के जन्म को दर्ज कराने बारे कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अपना एतराज अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 12—1—2009 को या उससे पूर्व पेश कर सकता है। उसके बाद कोई एतराज नहीं सुना जाएगा और आम जनता के विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 1—12—2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर कार्यालय से जारी किया गया

मोहर।

एम0 डी0 राकेश,
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील सदर मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री बलदेव सिंह लठ, कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप—तहसील औट, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

श्री शम्भू राम पुत्र श्री परस राम, निवासी गांव पटोगी, डाकघर पनारसा, उप—तहसील औट, जिला
मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री शम्भू राम, निवासी पटोगी, डाकघर पनारसा ने मुकद्दमा दायर किया है कि उनकी माता श्रीमती पुरी देवी पत्नी श्री परस राम, निवासी पटोगी, डाकघर पनारसा, उप-तहसील औट की मृत्यु दिनांक 21-4-2003 को हुई थी परन्तु अज्ञानतावश उसकी मृत्यु ग्राम पंचायत कोटाधार के रिकार्ड में दर्ज नहीं कर सका।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 15-1-2009 को असातन या वकालतन प्रातः 10.00 बजे हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई उजर व एतराज प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री शम्भू राम पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 9-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बलदेव सिंह लठ,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, उप-तहसील औट,
जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

In the Court of Shri K. K. Sharma, Executive Magistrate (Tehsildar), Kasauli, District Solan Himachal Pradesh

Case No.
of decision

21/2008

Date of Institution

18-11-2008

Date

17-1-2009

Shri Hem Ram s/o of Late Shri Mani Ram Sharma, resident of Village Matla, Pargana Ajmergarh, Tehsil Kasauli, District Solan (H. P.)

. . Applicant.

Vs.

General Public

. . Respondent.

APPLICATION UNDER SECTION 13 (3) OF BIRTH & DEATH REGISTRATION ACT,
1969

Shri Hem Ram s/o of Late Shri Mani Ram Sharma, resident of Village Matla, Pargana Ajmergarh, Tehsil Kasauli, District Solan, Himachal Pradesh has moved an application before the undersigned under section 13 (3) of Birth & Death Registration Act, 1969 alongwith an affidavit and other documents that his son and daughter namely Sahil Sharma and Kumari Dimple Sharma who were born on 22-11-2004 and 16-7-2007 respectively at Village Matla, Pargana Ajmergarh, Tehsil Kasauli, District Solan, Himachal Pradesh but their dates of birth could not be registered by the applicant in Gram Panchayat's birth record Anji Matla, Tehsil Kasauli, District Solan, Himachal Pradesh.

2. Therefore, by this proclamation the general public is hereby directed that any person having any objection for the registration of dates of birth of Sahil Sharma and Kumari Dimple Sharma son and daughter of the applicant may submit his objection in writing in this court on or before 17-1-2009 at 10 A. M. failing which no objection will be entertained after expiry of date.

Given under my hand and seal of the court this 18th day of November, 2008.

Seal.

K. K.

SHARMA,

*Executive Magistrate (Tehsildar),
Kasauli, District Solan (H. P.).*

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

श्रीमती Suman पत्नी श्री Anil Kumar, निवासी Chhaproh, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती Suman पत्नी श्री Anil Kumar, निवासी Chhaproh ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र गुजारा है कि उसकी लड़की का नाम Anjali पुत्री श्री Anil Kumar, का जन्म दिनांक 4-2-2003 को हुआ

था परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत Chhaproh के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवा सकी।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 15-1-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्रीमती Suman पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 9-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)

श्री Ram Singh पुत्र श्री Pritam Singh, निवासी Ajnoli, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री Ram Singh पुत्र श्री Pritam Singh, निवासी Ajnoli ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके लड़के Akash Deep पुत्र श्री Ram Singh का जन्म दिनांक 1-5-2007 को हुआ था परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत Suri में दर्ज नहीं करवा सका।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 24-1-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश

कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री Ram Singh पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 9-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)

श्रीमती Jaan Mohammad पत्नी श्री Karim Baksh, निवासी Aloh, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती Jaan Mohammad पत्नी श्री Karim Baksh, निवासी Aloh ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसकी दोहती Shailu पुत्री श्री Sarif Mohammad का जन्म दिनांक 3-10-2008 को हुआ है परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत Kinnu के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवा सकी।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 15-1-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्रीमती Jaan Mohammad पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 4-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, जिला ऊना (हि० प्र०)।

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Ghumarwin,
District Bilaspur (H. P.)**

In the matter of :

1. Shri Rajiv Kumar, aged 32 years s/o Shri Basu Dev, resident of Village Matwana, P. O. & Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.).
2. Sapna Kumari, aged 24 years d/o Shri Parkash Chand, resident of Village Kullarun, P. O. Takrera, Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.) . . *Applicants.*

Versus

General Public

Subject.—Application for the Registration of Marriage under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment, Act 01 (49 of 2001)).

Shri Rajiv Kumar, aged 32 years s/o Shri Basu Dev, resident of Village Matwana, P. O. & Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.) and Sapna Kumari, aged 24 years d/o Shri Parkash Chand, resident of Village Kullarun, P. O. Takrera, Tehsil Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh have filed an application alongwith affidavit in the Court of under signed undersection 16 of Special Marriage Act 1954, (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment, Act 01 (49 of 2001)), that they have solemnized their marriage on 11-3-2007 in the Mata Sat Devi Mandir Kinnu, District Una, Himachal Pradesh and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 28-1-2009 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 5th December, 2008 under my hand and seal of the Court.

Seal.

Sd/-
*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.).*

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Ghumarwin,
District Bilaspur (H. P.)**

In the matter of :

1. Shri Sandeep Kumar, aged 26 years s/o Shri Bachihhtar Singh, resident of Village & P. O. Jejwin, Tehsil Jhandutta, District Bilaspur (H. P.).
2. Parvati Devi, aged 24 years d/o Shri Kushal Thakur, resident of Village Rangri, P. O. Haripur, Tehsil & District Kullu (H. P.) . . *Applicants.*

Versus

General Public

Subject.—Application for the Registration of Marriage under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment, Act 01 (49 of 2001).

Shri Sandeep Kumar, aged 26 years s/o Shri Bachihhtar Singh, resident of Village & P. O. Jejwin, Tehsil Jhandutta, District Bilaspur (H. P.) and Parvati Devi, aged 24 years d/o Shri Kushal Thakur, resident of Village Rangri, P. O. Haripur, Tehsil & District Kullu, Himachal Pradesh have filed an application alongwith affidavit in the Court of under signed under section 16 of Special Marriage Act 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment, Act 01 (49 of 2001), that they have solemnized their marriage on 20-11-2008 in the Nahar Temple in Village Ghumarwin, District Bilaspur, Himachal Pradesh and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 29-1-2009 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 5th December, 2008 under my hand and seal of the Court.

Seal.

Sd/-
*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Ghumarwin, District Bilaspur (H. P.).*

ब अदालत श्री बिनय सिंह (हि0प्र0से0), उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

नीरज रानी सुपुत्री श्री रतन लाल, निवासी तुहनू डाकघर कल्लर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराए दरुस्ती बारे।

नीरज रानी सुपुत्री श्री रतन लाल, निवासी तुहनू डाकघर कल्लर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर ने इस न्यायालय में ब्यान हल्फी सहित प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसका नाम पंचायत अभिलेख में कान्ता देवी गलत दर्ज है जबकि उसका सही नाम नीरज रानी है। आवेदिका अपना सही नाम पंचायत रिकार्ड में दर्ज करवाना चाहती है।

अतः आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को इस अदालती इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर उपरोक्त बारे किसी को एतराज हो तो वह दिनांक 26-12-2008 को प्रातः 10.00 बजे या इससे पहले अपने उजर या एतराज अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में असालतन या वकालतन पेश कर सकते हैं। मियाद गुजरने के बाद कोई भी उजर या एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 26-11-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

बिनय सिंह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री बिनय सिंह (हि0प्र0से0), उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

श्री शाली ग्राम सुपुत्र श्री कृष्णू राम, निवासी बलवाड़, डाकघर जुखाला, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराए दरुस्ती बारे।

श्री शाली ग्राम सुपुत्र श्री कृष्णू राम, निवासी बलवाड़, डाकघर जुखाला, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) ने इस न्यायालय में ब्यान हल्फी सहित प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसकी उम्र पंचायत अभिलेख में वर्ष 1942 दर्ज है जबकि स्कूल प्रमाण-पत्र में 8-3-1951 दर्ज है जो सही है तथा इसकी पत्नी की उम्र पंचायत में वर्ष 1949 दर्ज है व स्कूल प्रमाण-पत्र में 6-3-1956 दर्ज है जो सही दर्ज है। आवेदक अपनी व अपनी पत्नी की सही उम्र पंचायत रिकार्ड में दर्ज करवाना चाहता है।

अतः आम जनता व सम्बन्धित रिश्तेदारों को इस अदालती इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि अगर उपरोक्त बारे किसी को एतराज हो तो वह दिनांक 7-1-2009 को प्रातः 10.00 बजे या इससे पहले अपने उजर या एतराज अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में असालतन या वकालतन पेश कर सकते हैं। मियाद गुजरने के बाद कोई भी उजर या एतराज काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 10-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

बिनय सिंह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री बिनय सिंह (हि0प्र0से0), उप-मण्डल दण्डाधिकारी एवं स्पैशल मैरिज ऑफिसर, सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

श्री रिपुल डोगरा सुपुत्र श्री राम पाल डोगरा, निवासी मकान नम्बर 29, रौड़ा सैक्टर बिलासपुर,
तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

बबली डोगरा सुपुत्री श्री नत्थू राम, निवासी रोपी, तहसील अर्की, जिला सोलन (हि0 प्र0) हाल
निवासी पत्नी श्री रिपुल डोगरा, मकान नम्बर 29, रौड़ा सैक्टर बिलासपुर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर
(हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

विशय.—नोटिस स्पैशल मैरिज अधिनियम, 1954 के अन्तर्गत विवाह पंजीकृत करने बारे।

इस अदालत में उपरोक्त प्रार्थीगण ने स्पैशल मैरिज अधिनियम, 1954 के अन्तर्गत विवाह को
पंजीकृत करने बारा दरखास्त मय ब्यान हल्फिया पेश किया है कि वह कानूनी तौर पर अपना विवाह
स्पैशल मैरिज ऐक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत करवाना चाहते हैं।

अतः सर्वसाधारण को इस नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को विवाह
पंजीकृत करने में आपत्ति/एतराज हो तो वह इस अदालत में असालतन अथवा वकालतन हाजिर होकर
दिनांक 5-1-2009 तक पेश कर सकता है।

आज दिनांक 10-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय से जारी हुआ है।

मोहर।

बिनय सिंह,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी एवं स्पैशल मैरिज ऑफिसर,
सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)

श्री दीपक कुमार पुत्र स्व0 श्री पूर्ण चन्द, निवासी मकान नम्बर 63, डियारा सैक्टर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) . . प्रार्थी।

बनाम

कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद् बिलासपुर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री दीपक कुमार पुत्र स्व0 श्री पूर्ण चन्द, निवासी मकान नम्बर 63, डियारा सैक्टर, तहसील सदर, जिला बिलासपुर (हि0 प्र0) ने इस न्यायालय में एक आवेदन-पत्र अधीन धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत दायर किया है जिसमें उसने अनुरोध किया है कि उसके लड़के व लड़की की जन्म तिथि नगर परिषद् में दर्ज नहीं है जिन्हें अब दर्ज किया जाये :—

क्र0 सं0	लड़की/लड़के का नाम	जन्म तिथि
1	तमन्ना	9-5-2005
2.	अनुराग	15-2-2007

अतः सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त वर्णित बच्चों की जन्म तिथियों को नगर परिषद् अभिलेख में दर्ज करने में कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 10-1-2009 को सुबह 10.00 बजे न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। यदि उक्त जन्म तिथियों के बारे में कोई आपत्ति प्राप्त न हुई तो यह समझा जाएगा कि उक्त बच्चों की जन्म तिथियों बारे किसी को एतराज न है तथा इन्हें नगर परिषद् अभिलेख में दर्ज करने बारे आगामी आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 9-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
उप-मण्डल दण्डाधिकारी, सदर,
जिला बिलासपुर (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री के० एस० लालटा, कार्यकारी दण्डाधिकारी नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री जय चन्द पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी ओलीवाला काठेही, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना-पत्र श्री जय चन्द पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी ओलीवाला काठेही, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ने अधीन धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनके पुत्र विकास जिसकी जन्म तिथि 10-8-2005 है का नाम ग्राम पंचायत नाहन के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है। जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा दिनांक 30-12-2008 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करे बसूरत दीगर श्री विकास का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जावेंगे।

आज दिनांक 5-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

के० एस० लालटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी नाहन,
जिला सिरमौर (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री के० एस० लालटा, कार्यकारी दण्डाधिकारी नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री तेज राम पुत्र श्री राम दिया, निवासी ग्राम मरिपुर कोटला, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना-पत्र श्री तेज राम पुत्र श्री राम दिया, निवासी मरिपुर कोटला, तहसील नाहन, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ने अधीन धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनकी माता रूलदी देवी जिसकी मृत्यु तिथि 17-3-2006 है का नाम ग्राम पंचायत त्रिलोकपुर के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा दिनांक 23-12-2008 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करे बसूरत दीगर श्रीमती रूलदी देवी का नाम एवं मृत्यु तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जावेंगे।

आज दिनांक 5-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

के० एस० लालटा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी नाहन,
जिला सिरमौर (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री वी० आर० वसंत, कार्यकारी दण्डाधिकारी राजगढ़, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

श्री रतन कुमार पुत्र श्री शावणू राम, निवासी शिरियां, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर (हि० प्र०)

बनाम

आम जनता

उपरोक्त प्रार्थना-पत्र श्री रतन कुमार पुत्र श्री शावणू राम, निवासी शिरियां, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर (हि० प्र०) ने अधीन धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत प्रस्तुत करके प्रार्थना की है कि उनके पुत्र विजय जिसकी जन्म तिथि 15-6-2003 है का नाम ग्राम पंचायत शलाना के रिकार्ड में दर्ज नहीं करवाया गया है जिसे प्रार्थी अब दर्ज करवाना चाहता है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि द्वारा दिनांक 6-1-2009 को सुबह 10.00 बजे इस अदालत में उपस्थित आकर प्रस्तुत करे बसूरत दीगर श्री विजय का नाम एवं जन्म तिथि को दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये जावेंगे।

आज दिनांक 8-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

वी० आर० वसंल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी राजगढ़,
जिला सिरमौर (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री सुर्जन सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, भोरंज, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)

श्री पृथी चन्द धीमान सुपुत्र श्री कांशी राम, निवासी दलालड़, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर
(हि० प्र०) . . वादी।

बनाम

आम जनता

. . प्रतिवादी।

विषय.—दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री पृथी चन्द धीमान सुपुत्र श्री कांशी राम, निवासी दलालड़, डाकघर जिजवीं, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर ने इस अदालत में सशपथ दरखास्त गुजारी है कि उसकी माता शुकरी देवी पत्नी श्री कांशी राम, निवासी दलालड़ की मृत्यु दिनांक 19-4-2006 को हो चुकी है लेकिन ग्राम पंचायत बधानी के रिकार्ड में दर्ज न करवा सका है। अतः मृत्यु तिथि दर्ज की जाए।

अतः इस राजपत्र इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि शुकरी देवी पत्नी श्री कांशी राम की मृत्यु तिथि 19-4-2006 दर्ज करने बारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 24-1-2009 को प्रातः 10.00 बजे अदालतन/वकालतन हाजिर अदालत आकर एतराज पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी उसके बाद का उजर जेर समायत न होगा।

आज दिनांक 10-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सुर्जन सिंह,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, भोरंज,
जिला हमीरपुर (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री कुलदीप सिंह पटियाल, कार्यकारी दण्डाधिकारी भोरंज, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)

श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री रवि कुमार, निवासी जाहू, तप्पा मेवा, तहसील भोरंज, जिला
हमीरपुर (हि० प्र०) . . प्रार्थिन।

बनाम

आम जनता

. . प्रतिवादी।

विषय.—नाम की दुरुस्ती बारे।

श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री रवि कुमार, निवासी जाहू, तप्पा मेवा, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित दरखास्त गुजारी है कि उसका सही व वास्तविक नाम प्रेम लता है परन्तु ग्राम पंचायत जाहू के रिकार्ड में ममता कुमारी दर्ज है जोकि गलत है। अतः सही नाम प्रेम लता दर्ज किया जाये।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिया का सही नाम को दर्ज करने बारे किसी को कोई उजर/एतराज हो तो वह इस अदालत में दिनांक 18-1-2009 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर अपना उजर/एतराज पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी तथा सचिव ग्राम पंचायत जाहू को प्रार्थिया का नाम पंचायत रिकार्ड में ममता देवी की बजाय प्रेम लता दर्ज करने के आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 21-11-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

कुलदीप सिंह पटियाल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी भोरंज,
जिला हमीरपुर (हि० प्र०)।